RJ-04

June - Examination 2016

B. A. Pt. II Examination

मध्यकालीन राजस्थानी पद्य

Paper - RJ-04

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 100**

निर्देश : औ पेपर खंड अ, ब अर स में बट्योड़ो है। खंड 'अ' मांय साव छोटा सवाल, खंड 'ब' मांय छोटा सवाल अर खंड 'स' में निबंधात्मक सवाल दियौड़ा है। हरेक खंड रै आगै दियोड़ा निर्देशां मुजब आपरा पडूत्तर मांडो।

खण्ड – 'अ' **$10 \times 2 = 20$**

निर्देश : इण खंड रा सगळा सवालां रो उथळो देवणो जरूरी है। सबद सीमा 1 सबद, 1 वाक्य या अधिकतम 30 सबद है।

1) (i) 'वेलि क्रिसन रूकमणि री' रा रचनाकार कुण है?

(ii) मीरांबाई रो जलम कद हुयो?

(iii) सांयाजी झूला री कोई अेक पोथी रो नांव बताओ।

(iv) 'आयो इंगरेज मुलक रै ऊपर' किण कवि री ओळी है?

(v) रामनाथ कविया री चावी पोथी रो नांव बताओ।

(vi) 'राजिया रा सोरठा' किण कवि री रचना है?

(vii) नाथ संप्रदाय रा प्रवर्तक कुण हा?

(viii) 'जेठवा–ऊजळी' मांय किसै रस रो प्रयोग हुयो है?

(ix) दूहा अर सोरठा मांय कांई भेद है?

(x) 'रघुवर जस प्रकास' किण कवि री रचना है?

(खण्ड – ब) **4 × 10 = 40**

निर्देश : नीचै लिख्या प्रश्नां मांय सूं कोई चार प्रश्न करणा है। सबद सीमा 200 सबद है।

2) किरपाराम खिड़िया रो जीवन परिचै लिखो।

3) राजस्थानी साहित्य रै मध्यकाल सूं कांई अरथ है?

4) मध्यकाल रै जुग मांय किण भांत रो खान–पान हो?

5) किण कारण कैय सकां कै 'दौपदी–विनय' मांय कवि नारी चेतना रौ सनमान करियो है?

6) सूर न पूछै टीपणो, सुकन न देखै सूर।
मरणां नूं मंगळ गिणै, समर चढै मुख नूर।।
इण छंद रा भाव बताओ।

7) 'वैण सगाई' अलंकार रो परिचै देवो।

8) सहजो बाई माथै गरू प्रभाव किण भांत पड़ियो?

9) 'हरिरस' रो परिचै देवौ।

(खण्ड – स) **2 × 20 = 40**

निर्देश : नीचै लिख्या प्रश्नां मांय सूं कोई दो प्रश्न करणा है। सबद सीमा 500 सबद है।

10) ढोला–मारू री कथा बताओ।

11) भावपख अर कलापख रै आधार माथै 'गंगालहरी' रचना री समीक्षा करौ।

12) राजस्थानी लोककाव्य परंपरा रो परिचै कराओ।

13) राजस्थानी काव्य परंपरा मांय कवि कृपाराम खिड़िया रै मैतव नै दरसावौ।